भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3216

दिनांक 07 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

बिजली संयंत्रों द्वारा राख का निपटान

†3216. श्रीमती कमलेश जांगड़ेः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में वेदांता समूह (भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड) के बाल्को द्वारा संचालित किए जा रहे विद्युत संयंत्रों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या इन विद्युत संयंत्रों में प्रयुक्त कोयले से उत्पन्न राख के निपटान हेतु कोई व्यवस्था की गई है;

(ग) यदि हाँ, तो राख को कहाँ-कहाँ डंप किया जा रहा है;

(घ) वर्ष 2024-2025 से अब तक उत्पन्न राख की कुल मात्रा कितनी है; और

(ङ) राख बांध के निर्माण हेतु अधिग्रहीत भूमि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) : मेसर्स भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड वर्तमान में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 540 मेगावाट (4x135 मेगावाट) और 1200 मेगावाट (4x300 मेगावाट) क्षमता के दो कैप्टिव विद्युत संयंत्र संचालित कर रही है।

(ख) : 540 मेगावाट विद्युत संयंत्र के लिए 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले कुल 03 साइलो और 1200 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्रों के लिए 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले कुल 05 साइलो स्थापित किए गए हैं ताकि फ्लाई ऐश को शुष्क रूप में संग्रहित किया जा सके और खदान के खाली/निचले क्षेत्रों को भरने सहित विभिन्न उपयोग उद्देश्यों के लिए आपूर्ति की जा सके। इसके अतिरिक्त, ग्राम-परसाभाठा, तहसील एवं जिला-कोरबा में ऐश डाइक की सुविधा भी शुरू गई है।

(ग) : छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, ऐश को निम्नलिखित स्थानों पर डंप किया जा रहा है:

1. मानिकपुर ओपन कास्ट कोयला खदान, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र, जिला-कोरबा में खदान के खाली क्षेत्र की भराई।
2. ग्राम-घटद्वारी, तहसील-बरपाली, जिला-कोरबा में खदान क्वॉरी भराई।

(घ) : दिनांक 01.04.2024 से 30.06.2025 तक की अवधि के दौरान 540 मेगावाट विद्युत संयंत्र और 1200 मेगावाट विद्युत संयंत्र से उत्पन्न राख की कुल मात्रा क्रमशः 13,94,554.44 मीट्रिक टन और 29,45,803.87 मीट्रिक टन है।

(ङ) : कुल ऐश डाइक क्षेत्र 151.75 हेक्टेयर है (कार्यात्मक ऐश डाइक क्षेत्र 93.46 हेक्टेयर है और समाप्त एवं पुनः उपयोग में लाये जाने वाला ऐश डाइक क्षेत्र 58.28 हेक्टेयर है)।

****